सांध्य दैनिक
4PM

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं।
–ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 345 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 27 जनवरी, 2024

केंद्र के इशारे पर न्याय यात्रा को रोका... 2 | रंग बदलती सियासत, लाएगी नई... 3 | दिल्ली में आप सरकार गिराने की... 7

बिहार की सियासत में जारी है उठापटक

नीतीश दे सकते हैं इस्तीफा, बीजेपी के साथ जाने के आसार

» लालू-तेजस्वी ने राजद की बुलाई बैठक

» भाजपा व जदयू ने शुरू की तैयारी

» राजद बोली- अफवाह फैलाई जा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में कड़ाके की ठंड के बीच सियासी पारा गर्म हो गया है। सियासी सस्पेंस अभी भी जारी है। बिहार सीएम नीतीश कुमार और आरजेडी के बीच मनमुटाव खुलकर सामने आ गए हैं। अब एनडीए सरकार के कयास लगाए जा रहे हैं। सबके मन में एक ही सवाल है कि आखिर बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार का अगला कदम क्या होगा? सूत्रों ने बताया कि कल शाम (28 जनवरी) में राजभवन में नीतीश कुमार बीजेपी के सहयोग से सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। वहीं राजद के सांसद ने कहा है कि यह सब अफवाह है कोई दरार नहीं है।

सरकार बनाने के लिए आरजेडी और बीजेपी कोशिश में जुटी है। इस बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी हम संयोजक जीतन राम मांझी के आवास पर पहुंचे हुए हैं। कहा जा रहा है बिहार की मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हो सकती है। बिहार में आज महागठबंधन सरकार कभी भी गिर सकती है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के आवास पर विधायकों की बैठकों का दौर लगातार जारी है। वहीं जेडीयू और भाजपा नेताओं के बीच हलचल तेज हो गई है। इस बीच सबकी नजर जीतन राम मांझी पर है। बताया जा रहा है कि आरजेडी उनके बेटे को डिप्टी सीएम का पद दे सकती है।

लालू यादव भी लगातार रणनीति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लालू यादव को भी सरकार बनाने के लिए महज आठ विधायकों की जरूरत है। ऐसे में राजद खेमा भी शांत नहीं है और विधायकों का जुगाड़ करने की कोशिश जारी है। यह लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के लिए बड़ा झटका है। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन के लिए भी यह बड़ा झटका है। 25 जनवरी के बाद से लगातार राजद और जदयू के बीच तनातनी की स्थिति है। विवाद तब चरम पर पहुंचा जब लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इशारों ही इशारों में ट्वीट कर नीतीश कुमार पर निशाना साधा था। यह मामला तब शुरू हुआ जब नीतीश कुमार ने परिवारवाद के बहाने बिना किसी का नाम लिए लालू परिवार पर तंज कसा था।

नीतीश कुमार एक व्याकुल नेता हैं : गिरिराज सिंह

बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक व्याकुल नेता हैं। खूंटा से रस्सी तोड़कर पीएम बनने के लिए नीतीश भागे थे। बीजेपी बिहार की राजनीति पर नजर बनाई हुई है, लालू यादव ने इस बिहार में सबसे पहले पार्टियों को तोड़ने का काम किया था। वहीं बिहार के मौजूदा हालात पर बीजेपी के प्रवक्ता राकेश सिंह ने कहा कि खेला तो हो रहा है। आज हमारे यहां चार बजे से बैठक है। परसों दिल्ली में बैठक हुई। 2024 की तैयारी है। हम सत्ता के लिए आतुर नहीं हैं। देश में स्थिर सरकार है, 2024 में प्रचंड बहुमत की सरकार बनानी है। इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की।

जदयू प्रमुख के बाहर निकलने से कोई असर नहीं : ममता

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आइएनडीआइए गठबंधन छोड़ने और भाजपा के साथ फिर से जुड़ने की चर्चाओं के बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जदयू प्रमुख के बाहर निकलने से विपक्षी गठबंधन पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। ममता ने कहा कि मुझे लगता है कि नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों की नजर में अपनी विश्वसनीयता खो दी है। अगर वह इस्तीफा देते हैं तो राजद नेता तेजस्वी यादव के लिए बिहार में सुचारू रूप से काम करना आसान हो जाएगा।

चिराग ने अमित शाह से की मुलाकात

चिराग पासवान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और बिहार की सियासी अटकलों पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए नीतीश कुमार पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कुछ समय में सबकुछ पता चल जाएगा। दोनों की मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई हैं। वहीं उन्होंने कहा कि हमलोग स्थिति को देखते हुए एनडीए से गठबंधन पर फैसला लेंगे।

पूछताछ की तारीख दें हेमंत सोरेन: ईडी

» चेतावनी- वरना हम खुद ही पहुंच जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित भूमि घोटाला मामले में पूछताछ के लिए एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने सीएम सोरेन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए 29 या 31 जनवरी को तारीख देने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, अन्यथा एजेंसी खुद पूछताछ करने के लिए जाएगी। ईडी की तरफ से हेमंत सोरेन को अबतक नौ समन जारी किया गया है।

आठवें समन में उनसे 6 जनवरी से 20 जनवरी तक पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इस पर हेमंत सोरेन ने 20 जनवरी को ईडी को उनके आवास पर पूछताछ के लिए आने को कहा था।

ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेने की याचिका खारिज कर दी थी। वहीं नौवें समन में हेमंत सोरेन को 27 जनवरी से 31 जनवरी तक ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले ईडी ने शनिवार को हेमंत सोरेन के आवास पर उनसे करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी।

हाईकोर्ट की सुनवाई पर सुप्रीम रोक

» शीर्ष अदालत में पहुंची कलकत्ता हाईकोर्ट की लड़ाई

» पश्चिम बंगाल फर्जी जाति प्रमाणपत्र घोटाला मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल फर्जी जाति प्रमाणपत्र घोटाला मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई, इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। खास बात ये है कि इस मामले में सीबीआई की जांच को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की दो बेंचों द्वारा अलग-अलग फैसला दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और हाईकोर्ट के याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किया है।

इस मामले में अब सोमवार को सुनवाई होनी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस मामले में हमने चार्ज ले लिया है। सीबीआई को भी नोटिस जारी किया या है। साथ ही एजीऔर एसजी को नोट दाखिल करने की इजाजत दी गई है. सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) तुषार मेहता ने कहा कि डिवीजन बेंच ने तय प्रक्रिया के तहत हस्तक्षेप नहीं किया। वहीं, पश्चिम बंगाल की तरफ से वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि वो राज्य सरकार की रफ से अर्जी दाखिल करेंगे।

बंगाल में एक राजनीतिक दल के लिए काम करने का आरोप

न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने अपने आदेश में खंडपीठ का नेतृत्व कर रहे न्यायमूर्ति सौमेन सेन पर पश्चिम बंगाल राज्य में एक राजनीतिक दल के लिए काम करने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने कलकत्ता एचसी की खंडपीठ के आदेश को नजरअंदाज करने का निर्देश दिया था और सीबीआई को फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए कहा था। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा कि न्यायमूर्ति सेन ने सत्ता में कुछ राजनीतिक दल को बचाने के लिए ऐसा किया है और उनका ये कदम स्पष्ट रूप से कदाचार के समान हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतः संज्ञान लिया है और इस पर आज सुनवाई होगी।

सोमवार को होगी सुनवाई

इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो सोमवार को इस अपील पर सुवनाई करेंगे। वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वो टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की तरफ से अर्जी दाखिल करेंगे। इस मामले में बार बार अभिषेक बनर्जी का नाम लिया जा रहा है जो उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है।

बीजेपी में जाकर नीतीश को कुछ नहीं मिलेगा : अखिलेश

» बोले- इंडिया गठबंधन में रहते तो पीएम बन सकते थे

» हालात संभालने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर से एनडीए के पाले में जाने की सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। इस बीच यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को बीजेपी का साथ नहीं पकड़ना चाहिए। वहां उन्हें क्या मिलेगा? अखिलेश यादव ने कहा कि यदि नीतीश इंडिया गठबंधन में होते तो वह पीएम भी बन सकते थे। हम सभी में से कोई एक पीएम का उम्मीदवार तो है ही। यहां किसी का भी नंबर लग सकता है।

आखिर वहां उन्हें क्या मिलेगा? कोई पार्टी ऐसी नहीं है कि जो उनका सम्मान ना करती हो। इंडिया गठबंधन के अमल में आने में नीतीश कुमार की भूमिका बड़ी मानी जाती रही है। जब एक समय कांग्रेस के साथ ममता, अखिलेश सहित बाकी क्षेत्रीय पार्टियों ने बात करनी बात की थी उस समय नीतीश कुमार ही संयोजक बनकर सभी दलों से मिले थे। पटना में इंडिया गठबंधन की बड़ी मीटिंग भी आयोजित हुई थी। अखिलेश ने कहा कि यह कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि वह नीतीश को इंडिया गठबंधन में बनाए रखे। उनकी नाराजगी समझनी चाहिए थी। कांग्रेस को जिस तत्परता के साथ हालात संभालने चाहिए थे उसने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल उनका सम्मान करते हैं।

बसपा को गठबंधन में करें शामिल : मुस्लिम धर्मगुरु

खरगे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से मांगा समय

लखनऊ। इंडिया गठबंधन में दरारें पड़ने के साथ ही कांग्रेस पर दबाव बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के मुस्लिम धर्मगुरुओं के प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद से मुलाकात की। गठबंधन में हर हाल में बसपा को शामिल करने की वकालत की। इस प्रतिनिधिमंडल ने राहुल व प्रियंका गांधी से भी मिलने के लिए वक्त मांगा है। कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर दो दौर की बातचीत हो गई है। दोनों दल सीटवार उम्मीदवारों के नाम तय कर रहे हैं। अगले सप्ताह होने वाली बैठक में सीटवार उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस के सीट तय करने वाली कमेटी में पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। ऐसे में मुस्लिम तंजीमों से जुड़े दो दर्जन मौलानाओं ने बुधवार को सलमान खुर्शीद से मुलाकात की। इंडिया गठबंधन में हर हाल में बसपा को शामिल करने की मांग की। हापुड़ के मौलाना इंतखाब आलम ने बताया कि कांग्रेस नेता को बता दिया गया कि बिना हर दल को एकजुट किए लोकसभा की लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती है। सपा और बसपा गठबंधन ने पश्चिमी यूपी में जो सीटें जीती थीं, उसकी वजह मुसलमानों और दलितों का गठजोड़ था। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कारी महमूद ने बताया कि सलमान खुर्शीद से यह भी कहा कि राहुल गांधी की यह जिम्मेदारी है कि वह सपा और बसपा को एक मंच पर लाए। यह भी मांग की गई कि प्रतिनिधिमंडल की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से भी मुलाकात कराई जाए ताकि उन्हें यूपी की सियासी हालात से वाकिफ कराया जाए।

हमारा संविधान भेदभाव नहीं करता : सीएम योगी

» 25 वर्षों में भारत बनेगा विकसित देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 75वें गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर तिरंगा फहराया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत ने आजादी की अपनी एक लंबी लड़ाई के उपरांत स्वतंत्र भारत में अपना स्वयं का संविधान लागू किया। 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद इस वर्ष हम सब अपने गणतंत्र का अमृत वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों, संविधानविदों और विशेषज्ञों के अनुसार हमने देश में संविधान लागू किया, जो पिछले 74 वर्षों से भारत में जाति, धर्म, संप्रदाय, क्षेत्र या अन्य तमाम अवरोधों को समाप्त करते हुए पूरी तरह कसौटी पर खरा उतरा है।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर आधुनिक लोकतंत्र के रूप में स्थापित अन्य तमाम देश जो अपने को सबसे प्रगतिशील मानते हैं, उन्होंने लंबे समय तक लिंग भेद के आधार पर महिलाओं को मताधिकार से वंचित किया था। तमाम दबी कुचली परंपराओं को समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग किया था, लेकिन यह भारत के संविधान की महानता है कि भारत दुनिया का वो देश है, जिसने संविधान लागू करने के साथ ही इस बातों को सुनिश्चित किया था कि देश के अंदर लिंग, जाति, मत-मजहब, क्षेत्र के आधार पर किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होगा। देश में प्रत्येक वयस्क मतदाता को अपना मताधिकार करने का पूरा अधिकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन 1950 में भारत ने आजादी की लंबी लड़ाई के उपरांत हमने अपना स्वयं का संविधान लागू किया था। यह दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है।

बैठकर गठबंधन के मतभेदों को सुलझाएं : स्टालिन

» बोले- भाजपा को आगामी चुनाव में सबक सिखाना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तिरुचिरापल्ली में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों को एकजुट रहना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें भाजपा को आगामी चुनाव में सबक सिखाना होगा। साथ ही कहा कि भाजपा के खिलाफ वोटों को विभाजित न होने दें। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन में अगर कोई मतभेद है तो उसे बैठकर सुलझा लिया जाएगा। हमारा एक ही लक्ष्य होना चाहिए की भाजपा दोबारा सत्ता में काबिज न हो। इसी बीच, भाजपा के खिलाफ लामबंद हुए सभी विपक्षी गठबंधन में अंदरुनी कलह सामने आने लगा है। कुछ दिनों पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे को लेकर कहा था कि किसी को सीटें नहीं देंगी।

केंद्र के इशारे पर न्याय यात्रा को रोका गया : राय

» बोले- बातें न करें अपनी उपलब्धियां बताएं पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि पार्टी के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकल रही न्याय यात्रा को रोकने के लिए असम सरकार ने कई तरह की साजिशें कीं। केंद्र सरकार के इशारे पर उसने लगातार व्यवधान डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पांच सवाल करते हुए कहा कि आखिर न्याय यात्रा से इतना डर क्यों है? उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलंदशहर में जनसभा की है, लेकिन वह बताएं कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए अब तक क्या किया? आखिर 2014 से 22 के बीच

100474 किसानों के आत्महत्या के लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदेश के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कृषि बजट में कटौती की। किसान सम्मान निधि में से 2 करोड़ 29 लाख किसानों का नाम क्यों काट दिया गया? प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को मुआवजा देने के बजाय निजी कंपनियों के मुनाफा कमाने के पीछे किसका हाथ है? गन्ना किसानों का मुद्दा उठाते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि गन्ने का मूल्य सिर्फ 20 रुपया बढ़ाया गया है, जो नाकाफी है।

14 फरवरी को यूपी में प्रवेश करेगी राहुल की न्याय यात्रा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 फरवरी तक उत्तर प्रदेश में आने की उम्मीद है। यह यात्रा करीब 11 दिन प्रदेश में रहेगी। यात्रा के आने से पहले हर जिले में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इसके तहत 26 जनवरी को झंडारोहण के बाद हर ब्लॉक में न्याय यात्रा निकाली गई, जो 30 को जिला मुख्यालयों पर पहुंचेगी। इससे पहले प्रदेश कार्यालय में बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा था कि 26 जनवरी को दोपहर में हर ब्लाक से निकलने वाली न्याय यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले शहीद स्थलों एवं महापुरूषों के स्थलों पर श्रद्धांजलि दी जाएगी। रास्ते में किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का घर पड़ता है तो सेनानी अथवा उनके परिजनों का सम्मान किया जाएगा। इसी तरह रास्ते में किसी वरिष्ठ कांग्रेस नेता का घर पड़ता है तो वहां भी रुक कर उनका सम्मान किया जाएगा। ब्लॉक मुख्यालयों से निकलने वाली यात्रा 30 जनवरी को जिला मुख्यालय पहुंचेगी, जहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सभा होगी। महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने और उसे जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा।

बकाया नहीं मिला तो करेंगे आंदोलन

» सीएम ममता की केंद्र को चेतावनी, सात दिन में करें भुगतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर केंद्र ऐसा नहीं करता है तो उनकी पार्टी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने कहा, अगर केंद्र सरकार ने फंड जारी नहीं दिया तो हम बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।

पश्चिम बंगाल सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र पर राज्य का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 9,330 करोड़ रुपये, मनरेगा के तहत 6,900 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 830 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 770 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 350 करोड़ रुपये और मध्याह्न भोजन के तहत 175 करोड़ रुपये बकाया है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में, ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी विधायकों ने विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था और मोदी सरकार पर केंद्रीय योजनाओं की बकाया राशि जारी करने में देरी का आरोप लगाया था। इससे पहले, टीएमसी नेताओं ने राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में महात्मा गांधी की जयंती पर नई दिल्ली के राजघाट पर विरोध प्रदर्शन किया था और केंद्र सरकार से बकाया राशि जारी करने की मांग की थी।

रंग बदलती सियासत, लाएगी नई रंगत

कांग्रेस व सहयोगियों में नहीं खत्म हो रही सिर-फुटौव्वल

- » लोक सभा चुनाव से पहले मची रार
- » नेताओं का आना-जाना भी शुरू
- » बीजेपी ने 2024 चुनाव पर गड़ाई नजर
- » शेट्टार ने दिया कांग्रेस को झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद चुनावी मोड में आ गई है। पीएम मोदी व सीएम योगी ने यूपी से 2024 चुनाव के लिए विगुल फूंक दिया है। हालांकि प्रधानमंत्री ने बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ढाकुर भारत रत्न दने का फैसला करके ही सियासी दांव चल दिया है। उसने इसी सहारे कांग्रेस व विपक्ष केसामाजिक न्याय की कांट निकालने की कोशिश की है हालांकि ये कितना लाभदायक होगा आने वाला समय बताएगा। पर जो भी हो बीजेपी की अपेक्षा कांग्रेस व इंडिया गठबंधन में सबकुछ बिगड़ता जा रहा है।

पहले जहां बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने वहां पर अकेले लड़ने की बात करके इंडिया ब्लाक को झटका दिया तो वंही पंजाब में आप ने अकले लड़ने की चर्चा करना शुरू दिया जबकि बिहार में नीतीश कुमार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने पर मोदी की तारीफ कर राजद को डरा दिया है। कुल मिलाकर लोक सभा चुनाव 2024 की घोषणा से पहले राजनीति के कई रंग दिखले वाले हैं। वंही नेताओं के आने जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया जहां अभी आंध्र प्रदेश में वाईएसआर राजशेखर की बेटी शर्मिला कांग्रेस में शामिल होगई थी वहीं कर्नाटक चुनाव से पहले बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में गए जगदीश शेट्टार फिर वापस भाजपा में आ गए हैं। अब उनके आने से लोकसभा चुनाव में क्या फर्क पड़ता हे ये तो चुनावों परिणाम बताएंगे।

गौरतलब हों कि दिसंबर में जेडीएस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने दावा किया था कि जल्द ही कांग्रेस की सरकार गिर जाएगीद्ध पार्टी का एक बड़ा नेता बीजेपी आलाकमान के संपर्क में है और वह कई विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जा सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि जगदीश शेट्टार दिसंबर में भी अमित शाह से मिले थे।

साल 2024 के आम चुनाव से पहले कांग्रेस को दक्षिण भारत में बड़ा झटका लगा है। ऐसा इसलिए क्योंकि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। गुरुवार (25 जनवरी, 2024) को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में सीनियर पार्टी नेता बीएस येदियुरप्पा और स्टेट बीजेपी चीफ बीवाई विजयेंद्र की मौजूदगी में वह भाजपा का हिस्से बने। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद उन्होंने पत्रकारों को बताया- पार्टी मुझे पूर्व में कई जिम्मेदारियां दे चुकी है, कुछ चीजों के चलते मैं कांग्रेस में गया था, पिछले 8-9 महीनों में ढेर सारी चर्चाएं हुईं, बीजेपी वाले इस दौरान मुझसे वापस पार्टी में आने को कह रहे थे । जगदीश शेट्टार ने आगे बताया, बीएस येदियुरप्पा और विजयेंद्र भी मुझे वापस बीजेपी में देखना चाहते थे, ऐसे में मैं इस यकीन के साथ फिर भाजपा का हिस्सा बन रहा हूं कि नरेंद्र मोगी को फिर से प्रधानमंत्री बनना है, रोचक बात है कि बीजेपी में आधिकारिक तौर पर जाने से पहले एक रोज पहले वह बुधवार (24 जनवरी, 2024) को केंद्रीय गृह मंत्री और सीनियर बीजेपी नेता अमित शाह से मिले थे।

लोकसभा चुनाव

बीजेपी उठा सकती है लाभ, कांग्रेस को होगा नुकसान

जगदीश शेट्टार 2023 में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट न मिलने से बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। कांग्रेस ने उन्हें हुबली-धारवाड़ से टिकट दिया था पर वहां से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी ने इसके बाद उन्हें एमएलसी बनाया। बेशक वह विधानसभा चुनाव हारे हों पर उत्तरी कर्नाटक में जमीनी स्तर पर उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। वह लिंगायत समुदाय के बड़े नेताओं में हैं. बीजेपी में उनके जाने से एक बार फिर पार्टी को इस वोट बैंक का फायदा मिलेगा। कांग्रेस की बात करें तो जगजीश शेट्टार के जाने का उसे काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। कांग्रेस वैसे भी उत्तरी कर्नाटक में कमजोर ह पार्टी की कमजोर स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शेट्टारा जैसा कद्दावर नेता भी वहां से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव हार गया, ऐसे में कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव से पहले इस क्षेत्र में जनाधार बढ़ाना कड़ी चुनौती होगी। जगदीश शेट्टार कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वह हुबली-मध्य धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से छह बार विधायक रहे हैं। इससे पहले उनके पिता भी कर्नाटक की राजनीति में बड़ा नाम थे। जगदीश शेट्टार के पिता शिवप्पा शेट्टार हुबली के मेयर थे और दक्षिण भारत में जनसंघ के पहले मेयर थे.।

बंगाल में दाखिल हुई राहुल गांधी की यात्रा बोले- एक है इंडिया गठबंधन

कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पश्चिम बंगाल में दाखिल हुई, तो वहां भी राजनीति बदली-बदली सी दिखी। कूच बिहार से पश्चिम बंगाल में आने के बाद राहुल गांधी ने मीडिया के सामने संबोधन दिया और इशारों-इशारों में बता दिया कि पश्चिम बंगाल से गुजरते वक्त उनकी रणनीति क्या होने वाली है, राहुल गांधी ने कूच बिहार में संबोधन के दौरान कहा कि देश में अन्याय हो रहा है, इसलिए उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा में न्याय शब्द लगाया है. इसी दौरान राहुल गांधी ने कहा कि इस अन्याय के खिलाफ इंडिया गठबंधन एकसाथ लड़ने जा रहा है। राहुल गांधी का ये बयान काफी महत्वपूर्ण है, दरअसल एक दिन पहले ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन के महत्वपूर्ण सदस्य दल में से एक तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा था कि वो बंगाल में अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, ममता बनर्जी के बयान के ठीक एक दिन बाद राहुल गांधी की यात्रा बंगाल में दाखिल हुई तो माना जा रहा था कि यहां से इंडिया गठबंधन की मजबूती और आगे इसके सही सलामत चलने की स्थिति साफ होगी। इंडिया गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच बंगाल में सीट बंटवारे पर सहमती नहीं बनी है, ऐसे में संभावनाएं बन रही थीं कि इसका खामियाजा इंडिया गठबंधन को भुगतना पड़ सकता है, लेकिन राहुल गांधी ने जिस तरह बंगाल में एंट्री लेने के बाद तल्खियां दिखाने की जगह इंडिया गठबंधन की एकता से जुड़ा बयान दिया है उसके कई राजनीतिक मायने भी टटोले जा रहे हैं। बंगाल में 5 दिन रहेंगे राहुल गांधी, करेंगे 523 किमी की यात्रा। मालूम हो कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब राहुल गांधी ने 14 जनवरी से पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्री शुरू की है। 66 दिनों तक ये यात्रा 15 राज्यों से होते हुए करीब 6700 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय करेगी और इसका समापन मुंबई में होगा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के शेड्यूल के मुताबिक राहुल गांधी की यात्रा पश्चिम बंगाल में 523 किलोमीटर का सफर तय करेगी। राहुल गांधी 5 दिन तक बंगाल में रहेंगे और इस दौरान वो राज्य के 7 जिलों से होकर गुजरेंगे।

भारत रत्न से गड़बड़ा न जाए गठबंधन के सारे प्रयत्न

बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन के अंदर सबकुछ सामान्य नहीं है। बिहार विधानसभा में सबसे ताकतवर राष्ट्रीय जनता दल ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आंखें तरेरी थी, लेकिन उसे अब फिर पलकें झुका लेनी पड़ी। गुरुवार को कैबिनेट बैठक में सीएम के मनोभाव और हावभाव को देखकर राजद में ऐसी खलबली मची कि दूर देश में बैठकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सोशल मीडिया के जरिए हमला करने वाली लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या को पीछे हटना पड़ा। कुछ मिनट के अंदर नीतीश कुमार पर किए तीन सोशल मीडिया हमलों को डेढ़ घंटे के बाद वापस लेना पड़ा। सोशल मीडिया से अपनी बात हटानी पड़ी। रोहिणी ने गुरुवार सुबह सबसे पहले लिखा- अक्सर कुछ लोग नहीं देख पाते हैं अपनी कमियां, लेकिन किसी दूसरे पे कीचड़ उछालने को करते हैं बदतमीजियां... इस वाक्यांश में कहीं भी नीतीश कुमार का नाम नहीं है, लेकिन मूलत- हमला सीएम पर ही किया गया। और स्पष्टता के लिए रोहिणी ने कुछ ही देर बाद अगली लाइन लिखी- खीज जताए क्या होगा, जब हुआ न कोई अपना योग्य। विधि का विधान कौन टाले, जब खुद की नीयत में ही हो खोट। रोहिणी की इन पंक्तियों ने साफ कर दिया कि उनका हमला नीतीश कुमार पर ही है। दरअसल, 24 जनवरी को कर्पूरी जयंती पर जदयू की ओर से वेटनरी कॉलेज मैदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसी कार्यक्रम में लोगों की संबोधित करते हुए कहा कि हमलोगों ने जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के कार्यों को आगे बढ़ाया है लेकिन आजकल लोग परिवारवाद को आगे बढ़ाते हैं। जब जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का देहावसान हो गया तब हमलोगों ने उनके सुपुत्र रामनाथ ठाकुर जी को आगे बढ़ाया। उन्हें पार्टी में स्थान दिया, मंत्री बनाया, सांसद बनाया। आजकल बहुत लोग अपने परिवार को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं लेकिन जननायक ने कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया और उन्हीं से सीख लेते हुए हमने भी अपने परिवार को कभी आगे नहीं बढ़ाया।

दक्षिण में उठाएगी बीजेपी लाभ

मंदिर समारोह में विपक्ष का कोई भी नेता नहीं आया लेकिन आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और जेडीएस नेता और पूर्व पीएम एच डी देवगौड़ा एवं एचडी कुमारस्वामी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। एक वक्त था जब नायडू के कारण पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी राम मंदिर, आर्टिकल 370 जैसे बीजेपी के कोर मुद्दों पर गठबंधन धर्म की बात कर चुके थे। हालांकि, तमाम उतार-चढ़ाव के बीच नायडू की राम मंदिर समारोह में उपस्थिति दक्षिण में एनडीए , खासकर बीजेपी के लिए अच्छे संकेत तो हैं ही। केंद्र में वाजपेयी सरकार के दौर में नायडू का बीजेपी का अहम समर्थन जरूरी था। इस कारण नायडू अपने भाषणों में कहते थे कि वह केंद्र सरकार में बीजेपी पर दबाव बनाकर रखेंगे। उनका संकेत हुआ करता था बीजेपी के कोर मुद्दों पर। यानी आर्टिकल 370, राम मंदिर और कॉमन सिविल कोड। पूर्व पीएम वाजपेयी ने एक बार लोकसभा में कहा था कि बीजेपी ने अपना कोर मुद्दा कभी नहीं छोड़ा है लेकिन उन्हें गठबंधन के साथ सरकार चलानी है। इसलिए इस सरकार में हमारे लिए ये मुद्दे नहीं हैं। जिस राम मंदिर को लेकर नायडू बीजेपी पर दबाव बनाकर रखते थे वही नायडू बाल राम की प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे थे। 2018 के लोकसभा चुनाव से पहले नायडू ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए एनडीए से नाता तोड़ लिया था। उन्हें उम्मीद थी कि इससे उन्हें आंध्र प्रदेश में फायदा मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उलट और जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस राज्य में सत्ता में आ गई और तबसे नायडू मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गए। राम मंदिर कार्यक्रम में पहुंचने के बाद माना जा रहा है कि नायडू बीजेपी के साथ दोस्ती बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। आंध्र में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी के लिए भी ये एक फायदे का सौदा हो सकता है। आंध्र प्रदेश में बीजेपी पिछली बार अकेले चुनाव लड़ी थी। राम मंदिर में नायडू की उपस्थिति के बाद ऐसा लग रहा है कि बीजेपी और टीडीपी के बीच रिश्तों में जमी बर्फ और पिघली है। पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा भी बेटे एचडी कुमारस्वामी के साथ राम मंदिर के समारोह में पहुंचे थे। बीजेपी और जेडीएस में कर्नाटक में गठबंधन कर लिया है। दोनों ही दलों को विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तगड़ा झटका दिया था। अब राज्य में दोनों के बीच गठजोड़ के बाद बीजेपी कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में ज्यादा ताकत से उतरने की तैयारी में है। राम मंदिर समारोह में इन दो नेताओं की मौजूदगी ने 2024 में एनडीए की तस्वीर भी साफ कर दी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सीमाओं के साथ आंतरिक सुरक्षा भी हो मजबूत

"सुरक्षा एजेंसियों ने आरोप लगाया था कि म्यांमार से विद्रोही आकर भारत में माहौल खराब कर रहे है। हांलाकि सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने इसबात से इंकार करते हुए कहा कि विदेशी विद्रोहियों ने मणिपुर में हुए हिंसा में कोई मदद नही की है। पर इनसब के बीच भारत सरकार ने सुरक्षा के लिए हदबंदी व व्यवस्था को और चाकचौबंद करने की योजना बनाई है।

अभी एकदिन पहले हमने 73वां गणतंत्र दिवस मनाया है। अब हमे यह संकल्प लेना होगा कि जहां हम अपने गणतंत्र को बचाने के लिए देश की सीमाओं को तो मजबूत करेंगे ही देश के अंदर भी सुरक्षा को पुख्ता रखेंगे। अभी हाल में मणिपुर में दो समुदायों में झड़प हो गई थी। सुरक्षा एजेंसियों ने आरोप लगाया था कि म्यांमार से विद्रोही आकर भारत में माहौल खराब कर रहे है। हांलाकि सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने इसबात से इंकार करते हुए कहा कि विदेशी विद्रोहियों ने मणिपुर में हुए हिंसा में कोई मदद नही की है। पर इनसब के बीच भारत सरकार ने सुरक्षा के लिए हदबंदी व व्यवस्था को और चाकचौबंद करने की योजना बनाई है। ऐसा इस लिए भी किया जा रहा है क्योंकि भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में इन दिनों गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है। वहां के सैन्य शासकों और सशस्त्र विद्रोही समूहों में संघर्ष तेज हो गया है। इस बीच कई शरणार्थी भारत की सीमा में आ गए हैं। हाल ही में गृहमंत्री शाह ने कहा कि म्यांमार से लगती सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी।

म्यांमार में सैन्य शासकों और सशस्त्र विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष तेज होने का परिणाम वहां से भारत की सीमा में आ रहे शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। मिजोरम सरकार के अनुरोध पर पिछले हफ्ते आए 276 सैनिकों को वापस म्यांमार भेजने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि म्यांमार से लगती सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी और दोनों देशों के बीच जारी फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) को समाप्त किया जाएगा। म्यांमार में सिविल वॉर के हालात बनने की शुरुआत फरवरी 2021 में मानी जा सकती है, जब वहां की सेना ने लोकतांत्रिक सरकार का तख्तापलट करते हुए जबरन सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हालात बिगड़ने शुरू हुए पिछले साल अक्टूबर से, जब वहां के तीन अल्पसंख्यक जनजातीय समूहों के विद्रोहियों ने मिलकर सेना पर हमले शुरू कर दिए। इसके बाद संघर्ष तेज होता गया और बड़ी संख्या में आम लोग जान बचाने के लिए सीमा पार कर मणिपुर और मिजोरम जैसे सीमा से लगते राज्यों में आने लगे। विद्रोही सैनिकों के कैंप पर कब्जा जमा लेने के बाद सेना के जवान और अफसर भी सीमा पार कर भारत आ जाते हैं। नवंबर से अब तक म्यांमार के 635 सैनिक भारत आ चुके हैं, जिनमें से अधिकतर को वापस भेजा जा चुका है। मगर आम शरणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। सिर्फ मिजोरम में करीब 30,000 रिफ्यूजी कैंपों में रह रहे हैं। भारत ऐसी हदबंदी कश्मीर, पंजाब व राजस्थान सीमा पर कर सकता है। सूत्रों का मानना इस तरह कह बाड़ेबंदी करने के पीछे सरकार की मंशा है आतंकी व अराजक लोग भारत की सीमा में घुस न सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेटियों के लिए बनाएं भय मुक्त समाज

योगेश कुमार गोयल

देश की बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में उनके साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ देशवासियों को भी जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है। बेटियों के साथ परिवार में होने वाले भेदभाव के खिलाफ समाज को जागरूक करने के लिए देश की आजादी के बाद से ही प्रयास होते रहे हैं। एक समय में अधिसंख्य परिवारों में बेटी को परिवार पर बोझ समझा जाता था। यहां तक कि बहुत-सी जगहों पर तो बेटियों को जन्म लेने से पहले कोख में ही मार दिया जाता था। यही कारण था कि बहुत लंबे अरसे तक कई राज्यों में लिंगानुपात गड़बड़ाया रहा। यदि बेटी का जन्म हो भी जाता था तो उसका बाल-विवाह कराकर उसकी जिम्मेदारी से मुक्ति पाने की सोच समाज में बनी हुई थी। आजादी के बाद से बेटियों के प्रति समाज की इस सोच को बदलने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई गईं और कानून लागू किए गए। आज बालिकाएं भी हर क्षेत्र में राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। अब तो वे सेना में भी बढ़-चढ़कर अपना पराक्रम दिखा रही हैं।

पहली बार साल 24 जनवरी, 2009 को देश में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। यह दिवस मनाये जाने की शुरुआत के पीछे प्रमुख कारण यही था कि वर्ष 1966 में इसी दिन 'आयरन लेडी' के रूप में इंदिरा गांधी भारत की पहली प्रधानमंत्री बनी थी। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारत की बालिकाओं को सहायता और अवसर प्रदान करते हुए उनके सशक्तीकरण के लिए उचित प्रयास करना है। यूनिसेफ के मुताबिक प्रत्येक लड़की को सुरक्षित, स्वस्थ और शिक्षित बचपन का अधिकार है। भारत में आजादी के बाद से ही सरकारों ने बालिकाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए निरन्तर कदम उठाए हैं। समाज में लड़का-लड़की के भेदभाव को खत्म करने के उद्देश्य से ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लड़कियों के लिए मुफ्त अथवा रियायती शिक्षा, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसे अनेक अभियान और कार्यक्रम शुरू किए गए।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं को बराबर का हक दिया जाता है लेकिन फिर भी समाज में उनकी सुरक्षा के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

भले ही बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों के खिलाफ कई कानून बनाए जा चुके हैं और 'सेव द गर्ल चाइल्ड' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं, फिर भी समाज में बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। बालिका दिवस मनाने का मूल उद्देश्य यही है कि बालिकाओं के लिए एक ऐसा समाज बनाया जाए, जहां उनके कल्याण की ही बात हो। लेकिन जिस प्रकार देशभर में बच्चियों और किशोरियों के साथ छेड़खानी, दुर्व्यवहार तथा बलात्कार के मामलों में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है, ऐसे में काफी चिंताजनक तस्वीर उभरती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2013 से 2017 के बीच दुनियाभर में लिंग चयन के जरिये 14.2 करोड़ को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया गया, जिनमें 4.6 करोड़ ऐसी भ्रूण हत्याएं कड़े कानूनों के बावजूद भारत में हुई थीं। हालांकि लिंगानुपात के मामले में स्थिति में कुछ सुधार अवश्य हुआ है लेकिन स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद से बालिकाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है बल्कि वे हर क्षेत्र में अपनी सशक्त भागीदारी निभाती दिख रही हैं। यह भी सच है कि उन्हें स्वयं को साबित करने के लिए ज्यादा संघर्ष का सामना करना पड़ता है। एनसीआरबी के मुताबिक बालिका दिवस शुरू करने के बाद वर्ष 2009 में महिलाओं के प्रति अत्याचारों में 4.05 फीसदी, 2010 में 4.79, 2011 में 7.05, 2012 में 6.83 फीसदी की वृद्धि हुई। वर्ष 2021 में तो महिलाओं के प्रति अपराधों में 63 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज हुई। बालिकाओं की तस्करी के मामलों में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

कुछ मामलों में तो दरिंदों द्वारा बलात्कार के बाद मासूम बच्चियों को जान से मार दिया जाता है। बहरहाल, बालिका दिवस मनाए जाने की सार्थकता तभी होगी, जब बालिकाओं के प्रति होते भेदभाव के अलावा उनके प्रति समाज का दृष्टिकोण बदलने के भी गंभीर प्रयास हों। समाज में उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए गंभीरता से कदम उठाए जाएं। आज भी कन्या भ्रूण हत्या से लेकर लैंगिक असमानता और यौन शोषण तक में कोई कमी नहीं है। लैंगिक भेदभाव समाज में आज भी एक बड़ी समस्या है। बालिका दिवस जैसे आयोजनों की सार्थकता तभी होगी, जब न केवल बालिकाओं को उनके अधिकार प्राप्त हों बल्कि समाज में प्रत्येक बालिका को उचित मान-सम्मान भी मिले।

किन हालात में पहुंच गया हमारा पृथ्वी ग्रह

गुरबचन जगत

1945 : वह साल, जब ब्रिटिश साम्राज्य का सूरज ढलने लगा और अमेरिकी-सोवियत साम्राज्य का उदय हुआ। एक 'फौलादी दीवार' ने यूरोप को दो हिस्सों में बांट डाला, पश्चिमी गठबंधन वाला पश्चिमी यूरोप और सोवियत संघ से जुड़ा पूर्वी यूरोप। साथ ही, दक्षिण अमेरिका मानो संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का पिछला आंगन बन गया तो एशिया का मध्य हिस्सा सोवियत प्रभामंडल तले आ गया। मध्य एशिया और पश्चिम एशिया - अधिकांशतः सल्तनतें- जिन पर अपना प्रभाव बनाने को दोनों साम्राज्य यत्नरत रहे। जहां अमेरिका ने वामपंथ से भिड़ने और हराने का बीड़ा उठाया वहीं सोवियत संघ ने वामपंथ को फैलाने में जोर लगाया, जिसके परिणाम में बना मशहूर 'शीत युद्ध'। अपने-अपने ध्येयों की पूर्ति के लिए दोनों का टकराव कई राष्ट्रों की धराओं पर हुआ लेकिन इन्होंने लड़ाई कभी भी अपने आंगन में नहीं आने दी।

अमेरिका ने वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, क्यूबा और कांगो के अलावा औपनिवेशिक शासकों से मुक्ति पाने में लगे अनेकानेक अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में वामपंथियों की पकड़ कमजोर करने को अभियान चलाए। लग सकता है विचारधारा की भिन्नता युद्ध का बना-बनाया सांचा है, लेकिन वास्तविक आधार वही है, पुरातन काल से चला आ रहा ताकत और आर्थिक लाभ पाने का लोभ। विश्व व्यवस्था, जो कि साफ तौर पर दो खंडों में बंट चुकी थी, सोवियत साम्राज्य गिरने के बाद टुकड़ों में बिखर गई और उद्भव हुआ एकमात्र महाशक्ति, अमेरिका का। घड़ी को उलटा घुमाते हुए, 20वीं सदी के उत्तरार्ध में लड़े गए दो विश्व युद्धों में ले जाएं तो, प्रथम विश्व युद्ध तब भड़का जब तत्कालीन केंद्रीय ताकतें (जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य) ने मिलकर, दुनिया के अधिकांश देशों को अपनी बस्ती में तब्दील करने वाले दो बड़े खिलाड़ियों ब्रिटेन और फ्रांस को चुनौती देनी शुरू कर दी। अन्य देशों को अपना उपनिवेश बनाने की दौड़ में देर से शामिल हुए जर्मनी की आकांक्षा अपने लिए बड़ा हिस्सा पाने की थी, यही चाहत इस गठबंधन के अन्य सदस्यों की थी।

कहानी वही पुरानी है- मनुष्य प्रजाति लालच और डर से चालित है, अतएव हमारा इतिहास वस्तुतः युद्धों का इतिहास है। युद्ध, जिसका फौरी कारण चाहे धर्म, जाति, विचारधारा, बुरा करने की भावना या पक्षपात बताया जाए लेकिन सतह के नीचे वही पुरातन खेल है यानी और अधिक संसाधन, भूभाग, व्यापार और ताकत अपने हाथ करना। द्वितीय विश्वयुद्ध लगभग पिछले का विस्तार था, जिसके पीछे त्वरित कारक भले ही जर्मनी का रोष और अपमान बोध बताया जाए लेकिन यह 'लेबेंसरॉम' अर्थात नाजी राष्ट्र के लिए और बड़ा भूभाग पाने की गहरी चाहत थी। इससे पूर्व, 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मध्य एवं दक्षिण एशियाई मुल्कों को अपने नियंत्रण में लाने के वास्ते ब्रिटिश और रूसी साम्राज्य के बीच 'बड़ा खेल' नामक मुकाबला चला था। यह इन क्षेत्रों पर प्रभुत्व बनाने की प्रतिद्वंद्विता थी और अपने प्रभाव क्षेत्र में विस्तार के लिए षड्यंत्र और क्षेत्रीय युद्ध रचे गए। पीछे चलते जाएं तो पाते हैं कि युद्धों, प्रभुत्व बनाने और साजिशों का इतिहास खुद को दोहराए जा रहा है।

ताकत के लिए खेल कभी नहीं थमता और लड़ाई के लिए बहाना यदि पहले से न हो तो गढ़ लिया जाता है। बहानों के लबादे में छिपी होती है व्यापार और वाणिज्य पर नियंत्रण की लालसा। आज तक इराक में सामूहिक जनसंहार करने वाले वे हथियार नहीं मिले, जिनको बहाना बनाकर, बमबारी कर उसे पाषाण युग में पहुंचा दिया गया और उसके प्राकृतिक संसाधनों को लूटा। अफगानिस्तान -साम्राज्यों के इस पुराने कब्रिस्तान ने- इन सबको आते-जाते देखा फिर भी कोई खास फर्क नहीं आया। परमाणु ताकत, कंप्यूटर और आईटी के इस युग में हम तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक विकसित हैं, एआई और रोबोटिक्स का मिश्रण भी कर डाला है, फिर भी क्या हम उन घुमंतुओं से अलग हैं, जो गुजरे वक्त में कभी इस धरा पर विचरा करते थे? हमारा लालच, क्रोध, नफरत या दर्प आज भी उतना ही हावी है जितना कि मंगोलों के झुंड वाले समय में, जितना सिकंदर या रोमन साम्राज्य के वक्त, हां, हम आज उनसे कहीं अधिक विध्वंस मचा सकते हैं। खुद के विध्वंस की हमारी सामर्थ्य कई गुणा बढ़ चुकी है। वास्तव में, शीत युद्ध का सिद्धांत था 'म्युचुअल एशोर्ड डेस्ट्रक्शन' (मैड) यानी एक-दूसरे का निश्चित विध्वंस, और इस हकीकत ने दोनों महाशक्तियों को परमाणु-बटन दबाने से रोके रखा।

हालिया इतिहास में, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप को नाटो नामक व्यवस्था में यकीन न था और उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए यूरोपीय देश भी अंशदान डालें, तब हमने इस पुराने गठबंधन को कमजोर होते देखा। इस स्थिति से पूर्वी यूरोप में नाटो के विस्तार का पहले से विरोध कर रहे रूसियों को बल मिला। ट्रंप की चुनावी हार और बाइडेन की आमद के साथ, अमेरिकी यूरोप में फिर से दिलचस्पी लेकर, नाटो का पुनरुत्थान-सुदृढ़ीकरण करने लगे। इसके एक बड़े प्रयास का मंतव्य था यूक्रेन को नाटो की सीमांत चौकी बनाना। जिसने अंततः 'रूसी भालू' को झिंझोड़ डाला, वह पहले से जवाबी कार्रवाई करने का मौका मिलने का इंतजार कर रहा था। लेकिन यूक्रेन पर कुछ ही दिनों में कब्जा कर लेने की पुतिन की गणना गड़बड़ा गई। पश्चिम, विशेषकर अमेरिका, की पूर्ण मदद पाए यूक्रेन ने खुद को संभाला और डटकर मुकाबला किया। डर से भरे यूरोप ने एक बार फिर से अमेरिका को अपना अगुआ मान लिया।

मेहमानों को नाश्ते में परोसें क्रिस्पी कॉर्न चाट

हम त्यौहारों पर अपने-अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ पार्टी करते हैं। लोग अपनी पार्टी को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। बहुत से लोगों को चुनिंदा लोगों के साथ ही पार्टी करना पसंद होता है, ऐसे में वो अपने खास लोगों को घर पर ही बुलाकर त्यौहार की खुशियां मनाते हैं। घर पर पार्टी होस्ट करके बाहर से नाश्ता मंगवाना तो आसान होता है, लेकिन अगर आप अपने मेहमानों को उनके खास होने का एहसास दिलाना चाहती हैं तो पार्टी में उन्हें कुछ अपने हाथ से बनाकर खिला सकती हैं। तो घर पर आप क्रिस्पी कॉर्न चाट बना सकते हैं और आप अपने गेस्ट को परोस कर तारीफ बटोर सकते हैं।

सामग्री

कॉर्न - 2 कप, मक्के का आटा - 2 टेबल स्पून, चाट मसाला - 1 चम्मच, नमक - स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर - आधा चम्मच, अमचूर पाउडर - आधा चम्मच, हरा धनिया (कटा हुआ) - 2 टेबल स्पून, हरा मिर्च (कटी हुई) - 1 छोटी सी, प्याज (कटी हुई) - 1/4 कप, टमाटर (कटा हुआ) - 1/2 कप, नींबू का रस - 1 टेबल स्पून।

विधि

क्रिस्पी कॉर्न चाट बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को अच्छे से धोकर एक बाउल में हल्का उबाल लें। इसे उबालते वक्त ध्यान रखें कि ये पूरी तरह से ना उबल जाए। उबालने के बाद कॉर्न को एक कटोरे में छानकर निकालें और फिर इसमें मक्के का थोड़ा सा आटा डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करें। तेल में इन कॉर्न को डालकर सुनहरा होने तक तलें। जब ये सही से फ्राई हो जाएं तो इसे एक टिश्यू पेपर पर निकाल लें, ताकि इसका अतिरिक्त तेल निकल जाए। इसके बाद कॉर्न को एक कटोरे में डालें और चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, हरा धनिया, हरी मिर्च, प्याज और टमाटर डालकर अच्छे से मिक्स करें। सभी चीजों के सही प्रकार से मिक्स करने के बाद इसमे ऊपर से नींबू का रस डालें। अब आखिर में इसे प्लेट में निकाल कर ऊपर से सजाने के लिए इसमें धनिया की पत्ती डालें। बस आप इसे अपने मेहमानों को परोस सकती हैं।

बच्चों को खिलाएं लौकी डोसा

जब भी हम कुछ बनाते हैं तो ये कोशिश करते हैं कि घर के बड़े से लेकर बच्चे तक से काफी चाव से खाएं। बड़े तो सब कुछ खा लेते हैं लेकिन बच्चों को कुछ भी खिलाने में काफी परेशानी होती है। बच्चे चाहे कितनी बड़े हो जाएं लेकिन खाने को लेकर इनके नखरे हमेशा होते हैं। खासकर जब बात आती है सब्जी खाने की तो बच्चे इससे दूर भागते हैं। अगर उनके मन की सब्जी बनी हो तब तो ठीक है लेकिन लौकी और तोरई जैसी सब्जी तो शायद ही किसी बच्चे को पसंद होगी। इन्हीं नखरों को देखते हुए आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे खाकर आपके बच्चे भी खुश हो जाएंगे और उन्हें पता भी नहीं लगेगा कि ये डिश लौकी से बनी है। दरअसल, आज के लेख में हम आपको लौकी का डोसा बनाना बताने जा रहे हैं, ताकि आप अपने बच्चे के हेल्दी और स्वादिष्ट पकवान घर पर बना कर खिला सकें।

सामग्री

लौकी- 1 मीडियम साइज, छीलकर और कद्दूकस कर ली गई, चावल का आटा- 1 कप, सूजी- 1/4 कप, दही- 1/2 कप, नींबू और धनिया हरा मिर्च- 1 बारीक कटा हुआ। हरा धनिया- 2 टेबलस्पून कटा हुआ, हल्दी पाउडर-1/4 छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, नमक-स्वाद के अनुसार, तेल- डोसा बनाने के लिए, पानी- जरूरत के हिसाब से।

विधि

सबसे पहले लौकी को छीलकर और कद्दूकस कर लीजिए। अगर लौकी में ज्यादा पानी है, तो थोड़ा सा प्रेस करके पानी निकाल दीजिए। अब एक बड़े बाउल में कद्दूकस की हुई लौकी, चावल का आटा, सूजी, दही, हरी मिर्च, हरा धनिया, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और नमक को मिलाकर अच्छे से मिलाइए। इसके बाद इस बैटर में थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर इसे तैयार करें। बैटर को रेस्ट करने के लिए 15-20 मिनट तक छोड़ दीजिए। इसके बाद एक नॉनस्टिक डोसा तवा को मध्यम आंच पर गरम करें और उसे थोड़ा-थोड़ा करके तेल से लगाइए। अब तवे पर इस बैटर से डोसा बनाएं। वह सुनहरा और कुरकुरा हो जाए, तो उसे पलट दीजिए और दूसरी ओर से भी सेक लें। जब ये सही से सुनहरा हो जाए तो डोसा से उतार लें। अब इसे सर्विंग प्लेट पर निकालें और टमाटर की चटनी या नारियल की चटनी के साथ परोसें।

हंसना मना है

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-'नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझें पुस्तक पढ़ने को कभी नहीं दी।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

कहानी: सियार और जादुई ढोल

एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुड़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुड़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

कहानी से सीख- सियार और ढोल के कहानी से यह सीख मिलती है कि हर किसी चीज का एक निर्धारित समय होता है। जो हमें चाहिए होता है, वो हमें तय समय पर मिल ही जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

भकिसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्यय वृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

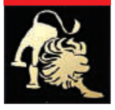

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

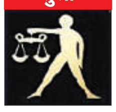

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

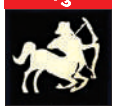

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

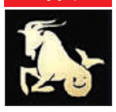

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

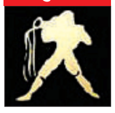

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

'लाहौर: 1947' में सनी देओल संग रोमांस करेंगी प्रीति जिंटा!

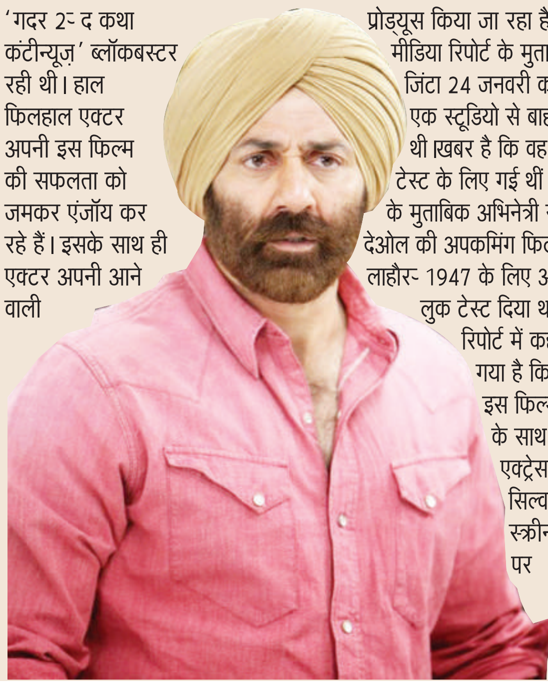

सनी देओल बॉलीवुड के एक्शन हीरो में से एक हैं। एक्टर की साल 2023 में आई फिल्म 'गदर 2- द कथा कंटीन्यूज़' ब्लॉकबस्टर रही थी। हाल फिलहाल एक्टर अपनी इस फिल्म की सफलता को जमकर एंजॉय कर रहे हैं। इसके साथ ही एक्टर अपनी आने वाली फिल्म 'लाहौर- 1947' को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा को-प्रोड्यूस किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रीति जिंटा 24 जनवरी को मुंबई के एक स्टूडियो से बाहर स्पॉट हुईं थी। खबर है कि वह वहां लुक टेस्ट के लिए गई थीं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री ने सनी देओल की अपकमिंग फिल्म लाहौर- 1947 के लिए अपना लुक टेस्ट दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस फिल्म के साथ एक्ट्रेस सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक कर सकती हैं। हालांकि कि अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि प्रीति जिंटा और सनी देओल पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके है। दोनों ने 'हीरो- लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई', 'फर्ज' और 'भैयाजी सुपरहिट' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। सनी देओल ने पिछले साल गदर 2 से फिल्मों में अपनी शानदार वापसी की। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

शूटिंग कब से शुरू होगी?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनका प्रोडक्शन, लाहौर- 1947 की शूटिंग भी फरवरी में शुरू करने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर- 1947 राजकुमार संतोषी द्वारा लिखित एक पार्टिशियन ड्रामा है, जिसमें सनी देओल लीड रोल में दिखेंगे। फिल्म 12 फरवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। बीते युग को फिर से रीक्रिएट करने के लिए मुंबई में सेट का काम शुरू हो चुका है।

बॉलीवुड | मन की बात

अब सिंगिंग में अपना जादू बिखेरेंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर उनके फैंस मायूस हो गए है। राजनेता राघव चड्ढा से शादी को बाद एक्ट्रेस के फिल्मी करियर को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। कई लोगों का मानना था कि परिणीति राजनीति ज्वाइन कर सकती है, लेकिन इसके उलट एक्ट्रेस ने अपने सपने को पूरा करना चुना है। करियर को लेकर उठ रहे सवालों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। शादी के बाद एक्ट्रेस अब अपने जीवन का नया चैप्टर शुरू करने के लिए तैयार है। जी हां, इश्कजादे एक्ट्रेस अब एक्टिंग के अलावा सिंगिंग में भी अपना जादू बिखेरने को पूरी तरह से तैयार हैं। परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है। बता दें एक्ट्रेस की बहन और ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा भी एक्टिंग छोड़ म्यूजिक में किस्मत आजमा चुकी हैं। परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए ये घोषणा की है कि वह संगीत की दुनिया में अपना करियर शुरू करने जा रही हैं। वीडियो में एक्ट्रेस रिकॉर्डिंग करती और अपनी फिल्म का गाना माना कि हम यार नहीं गुनगुनाती दिख रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने टीएम वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और टीएम टैलेंट मैनेजमेंट के साथ काम करने के फैसला किया है, जो देश के मशहूर सिंगर को रिप्रेजेंट करता है। इस कंपनी के साथ अरिजीत सिंह, सुनिधि चौहान, बादशाह, अमित त्रिवेदी सहित 25 से बड़े कलाकारों के नाम जुड़े हुए हैं।

'लव एंड वॉर' में फिर बनी आलिया-रणबीर की जोड़ी

संजय लीला भंसाली ने अपनी अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। फिल्म में दूसरी बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट काम करेंगी जबकि बतौर जोड़ी भंसाली संग इनकी पहली फिल्म होगी। इसके अलावा विक्की कौशल भी पहली बार भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म में काम करेंगे। अब भंसाली की इस घोषणा के बाद रणबीर की मां नीतू कपूर सातवें आसमान पर हैं। वह बेहद खुश हैं कि उनकी बहू और बेटे भंसाली के साथ काम करने जा रहे हैं। अब भंसाली की इस घोषणा के बाद नीतू कपूर ने अपने सोशल पोस्ट के जरिए अपना प्यार बरसाया है। अपने अपनी पोस्ट में लिखा है कि राहा के माता-पिता उन्हें हमेशा प्राउड फील कराते रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह जानकर रोमांचित थीं कि वे उनके सर्वकालिक पसंदीदा फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पर्दे पर विक्की कौशल का जादू देखने का इंतजार कर रही हैं। नीतू के इस पोस्ट पर आलिया ने दिल वाली इमोजी अपना रिएक्शन दिया है।'लव एंड वॉर' फिल्म क्रिसमस 2025 पर सिनेमाघरों में आ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग नवंबर 2024 से शुरू होगी। फिल्म की कहानी को लेकर ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह फिल्म राज कपूर की क्लासिक 'संगम' का आधुनिक रूपांतरण है। फिल्म में राज कपूर एक सैनिक की भूमिका निभाया था जो एक ऐसी महिला से शादी करने के लिए वापस आता है जो अपने सबसे अच्छे दोस्त से प्यार करती है। माना जा रहा है कि यह एक रोमांस एक्शन फिल्म होगी।

आखिर ट्रेन के डिब्बों का रंग हरा, नीला, लाल और भूरा क्यों होता है?

करोड़ों यात्रियों की सुविधा को देखते हुए भारतीय रेलवे हजारों ट्रेनों का संचालन कर रहा है। भारतीय रेलवे का एक बड़ा नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। यह देश के सीमांत इलाकों को बड़े-बड़े महानगरों से जोड़ने का काम करता है। ऐसे में देश की कनेक्टिविटी में भारतीय रेलवे का एक बहुत बड़ा योगदान है। इसके अलावा यात्रियों को सफर के दौरान किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इसे देखते हुए भारतीय रेलवे ने कई नियमों को भी बना रखा है। भारतीय ट्रेनों को देखते हुए अक्सर कई लोग यह सवाल करते हैं कि आखिर ट्रेन के डिब्बों का रंग हरा, नीला, लाल और भूरा क्यों होता है? इस बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है। अगर आप भी इस बारे में नहीं जानते हैं, तो आज हम आपको इस खबर के माध्यम से इसी बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं -

नीले रंग का कोच: भारतीय ट्रेनों में सबसे ज्यादा नीले रंग के कोच देखने को मिलते हैं। इनको इंटीग्रल कोच कहते हैं। ये कोच लोहे के बने होते हैं। इनको मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और सभी ट्रेनों में लगाया जाता है। नीले रंग के कोच वाली ट्रेनों की रफ्तार 70 से लेकर 140 किलोमीटर प्रति घंटे होती है। **लाल रंग का कोच** : लाल रंग के कोच को LSB कोच के नाम से भी जाना जाता है। इनका निर्माण Alumunium से किया जाता है। दूसरे कोच की तुलना में ये वजन में हल्के होते हैं। लाल रंग के कोच वाली ट्रेनों की रफ्तार काफी तेज होती है। ये कोच शताब्दी और राजधानी ट्रेनों में लगाए जाते हैं। **हरे रंग के कोच:** हरे रंग के कोच गरीब रथ ट्रेनों में लगाए जाते हैं। पहले नैरो-गेज पटरियों पर चलने वाली ट्रेनों में हरे रंग के कोच को लगाया जाता था। इन ट्रेनों की रफ्तार भी तेज होती है। **भूरे रंग का कोच:** इस रंग के कोच का इस्तेमाल छोटी लाइनों पर चलने वाली मीटर ट्रेनों में किया जाता है। यह ट्रेनें काफी लंबी दूरी तक चलती हैं। सफर के लिए ये काफी आरामदायक ट्रेनें होती हैं। इन ट्रेनों में आपको दूसरी ट्रेनों की अपेक्षा ज्यादा सुविधाएं मिलती हैं।

अजब-गजब | इस राजा का मानना था कि पानी से फैलती है बीमारी

पूरी जिंदगी सिर्फ तीन बार नहाया था यह राजा

दुनिया में एक से एक महान शासक हुए हैं, लेकिन कुछ की जिंदगी इतनी दिलचस्प थी कि जानकर लोग चकित रह जाते हैं। इन्हीं से एक नाम है, फ्रांस के शासक लुई चौदहवें का। इन्हें अपने युग का सबसे महान शासक एक माना जाता है। इन्होंने 1643 से 1715 तक फ्रांस पर राज किया, और सबसे लंबे वक्त तक शासन करने वाले राजा का खिताब इनके नाम है। लेकिन यह प्रतापी राजा पानी से इतना डरता था कि नहाता ही नहीं था। कहा जाता है कि अपनी पूरी जिंदगी में इस शासक ने सिर्फ तीन बार स्नान किया। दुर्गंध से बचने के लिए परफ्यूम लगाया करता था। इनकी पूरी जिंदगी दिलचस्प कहानियों से भरी हुई है।

'सन किंग' के नाम से मशहूर लुई XIV का जन्म 1638 को सेंट जर्मेन-एन-ले में हुआ था। पिता लुई XIII की टीबी से मौत हुई तो सिर्फ 4 साल की उम्र में ही उन्हें राजा बना दिया गया। कार्डिनल माजारिन मुख्यमंत्री के रूप में तब सारा राजकाज देखती थीं। शुरुआती दिनों में इनके खिलाफ खूब विद्रोह हुए, इससे लुई के मन में डर बैठ गया था। 1660 में उन्होंने स्पेन के फिलिप चतुर्थ की बेटी मारिया थेरेसा से शादी की। लुई XIV को बैले डांस करना बहुत पसंद था। वे रोजाना दरबार में इसकी प्रस्तुति देते थे। उन्हें एक प्रोफेशन बैले डांसर भी बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'सन किंग' इसलिए कहा गया है कि क्योंकि उन्होंने सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित कर रखा था। कहते हैं कि जिस तरह सभी ग्रह सूर्य के चक्कर लगाते हैं, उसी तरह पूरा फ्रांस उनके इर्द-गिर्द घूमता था।

कार्डिनल माजारिन की मौत के समय लुई XIV 23 साल के हो चुके थे, उसके बाद उन्होंने बिना किसी मुख्यमंत्री के खुद शासन चलाने का फैसला किया। वह स्वयं को एक पूर्ण सम्राट मानते थे, और कहते थेकि शासन चलाने की शक्ति सीधे ईश्वर से आती है। ससुर की मौत के बाद उन्होंने स्पेनिश नीदरलैंड पर भी दावा जमा दिया। वे पूजा को अनुमति देने वाले शासकों में से एक थे। उन्हें ईश्वर में अटूट श्रद्धा थी। फ्रांस में बने भव्य महल 'पैलेस ऑफ वर्सेलिस' को बनवाने का श्रेय लुई 14वें को ही जाता है। perfumesociety.org की रिपोर्ट के मुताबिक, लुई XIV इसलिए नहाने से डरते थे क्योंकि वे मानते थे कि पानी से बीमारी फैलती है। इसलिए जितना कम आप नहाएंगे उतना सुरक्षित रहेंगे। कहा जाता कि उन्होंने पूरे जीवनकाल में सिर्फ 3 बार स्नान किया। हालांकि, वे अपने महल 'पैलेस ऑफ वर्सेलिस' को सुगंधित रखते थे। महल में दिनभर इत्र का छिड़काव होता था। महल की हवा को सुगंधित बनाने के लिए कटोरे फूलों की पंखुड़ियों से भरे रहते थे। यहां तक कि आगंतुकों पर भी इत्र छिड़का जाता था। इसी वजह से इस महल का नाम भी 'द परफ्यूम कोर्ट' पड़ गया। फ्रांसीसी दरबार में सोने से सजे सैलून की हवा इतनी सुगंधित थी कि लोग मोहित हो जाते थे।

'अहंकाराचार्य' की महंगाई से सब डरे हैं: जयराम

» कांग्रेस ने खोला बीजेपी सरकार के खिलाफ मोर्चा

» कहा - जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान, सरकार ध्यान भटकने में लगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महंगाई के मुद्दे को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को लेकर चिंतित है लेकिन सरकार ध्यान भटकने में लगी हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' महंगाई और बेरोजगारी डायन खाए जात है। 'अहंकाराचार्य' के महंगाई काल में हर तीन में से एक भारतीय को इस साल नौकरी खोने की चिंता सता रही है, वहीं 57 प्रतिशत महंगाई से चिंतित हैं।

उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि पिछले एक साल में सब्जियों की कीमत 15 से 60 प्रतिशत तक बढ़ी है। रमेश ने आरोप लगाया, ''भारत में हर दूसरा व्यक्ति अन्याय काल में पीड़ित है और महंगाई, आर्थिक मंदी, बेरोज़गारी तथा लड़ाई झगड़े बढ़ने से चिंतित है, पर मोदी सरकार अपने चित परिचित अंदाज़ में देश का ध्यान भटकाने में लगी है। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस जनता को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। कल दोपहर से न्याय यात्रा जलपाइगुड़ी से शुरू होगी। अब होगा न्याय।

वायनाड से चुनाव लड़ेंगे राहुल : के. मुरलीधरन

कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन ने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आगामी लोकसभा चुनाव वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे। मुरलीधरन ने कहा कि कन्नूर को छोड़कर केरल के सभी मौजूदा सांसदों की अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अब तक यही व्यवस्था है। राहुल गांधी वायनाड से चुनाव लड़ेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं है। राहुल 2019 के लोकसभा चुनाव में वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। मुरलीधरन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया में चल रहे मुद्दों को खास तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया में कोई समस्या नहीं है। जब वे केंद्र में आएंगे तो सभी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकजुट होंगे।

कांग्रेस को पूरे देश में अकेले चुनाव लड़ने पर विचार करना चाहिए : प्रमोद

» नीतीश कुमार पर भड़के कांग्रेस नेता, कहा-उनकी हरकतों से विपक्ष को नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

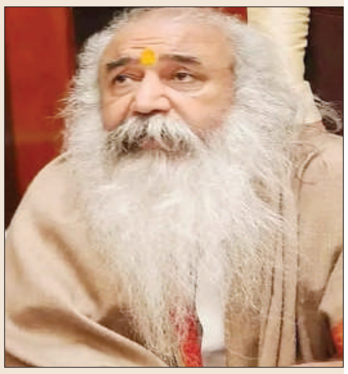

मुरादाबाद। बिहार में वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अपनी विश्वसनीयता खो चुके हैं। इसके लिए उनके फैसले और वो खुद जिम्मेदार हैं। जेडीयू और उसके नेताओं की करतूतों के कारण विपक्ष के लिए नई उम्मीद बना इंडिया गठबंधन खतरे में नजर आ रहा है। कांग्रेस को पूरे देश में अकेले चुनाव लड़ने पर विचार करना चाहिए, इन बैसाखियों के सहारे इतनी बड़ी लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

सीएम नीतीश कुमार के महागठबंधन से नाता तोड़ने और भाजपा के साथ फिर से जुड़ने की खबरों ने 17 महीने पुरानी, छह-दलीय ग्रैंड अलायंस सरकार की स्थिरता को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने कहा था कि 20 जनवरी के बाद बिहार में बदलाव होगा और इसका आधार नीतीश कुमार का बयान था। उन्होंने राजद के खिलाफ कई बातें कही हैं... इसी आधार पर हमने कहा था कि गठबंधन नहीं चलेगा। मांझी ने कहा, गठबंधन लंबे समय तक नहीं चलेगा। नीतीश कुमार का पीएम बनने का सपना टूट गया है, इसलिए गठबंधन तोड़कर वह स्वतंत्र रूप से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं या दूसरे गठबंधन में शामिल हो सकते हैं।

लखनऊ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने जीता एमआई सिनर्जी कप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टेनिस बॉल क्रिकेट में हेल्थसिटी हॉस्पिटल को हराया

लखनऊ। एमआई सिनर्जी कप टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट-फुटिफ़ाई अकादमी, एम आई रॉयल कोर्ट, गोमतीनगर एक्सटेंशन-6, शहीद पथ, लखनऊ में हुआ। मैच के पहले दिन हेल्थसिटी हॉस्पिटल और लखनऊ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के बीच खेल खेला गया। हेल्थसिटी ने पहले बल्लेबाजी की करते हुए 8 ओवर में 4 विकेट खोकर शानदार 78 रन का स्कोर बनाया। जवाब में खेलने उतरी लखनऊ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने 1 विकेट खोकर 2ओवर शेष रहते लक्ष्य को प्राप्त कर लिया।

हेल्थसिटी के कप्तान डॉ. विनोद तिवारी और टीम के कोच डॉ. वैभव ने जीतने वाली टीम बनाई को बधाई दी। हेल्थसिटी के डॉ. सुनीत प्रकाश तिवारी, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बने। उन्होंने शानदार 50 रन बनाए।

शिवमोग्गा से येदियुरप्पा के बेटे को जिताएं लोग : शिवशंकरप्पा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवमोग्गा। कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शमनूर शिवशंकरप्पा ने शिवमोग्गा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की जनता से पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा सांसद बीवाई राघवेंद्र को फिर से चुनने का आग्रह किया।

विधायक शिवशंकरप्पा ने शिवमोग्गा के बेक्किना कलमाता में आयोजित गुरु बसवश्री पुरस्कार प्रधान और आध्यात्मिकता सम्मेलन में लोगों से राघवेंद्र को फिर से चुनने के लिए कहा। यहां उन्हें गुरु बसवश्री पुरस्कार भी मिला। एक सम्मेलन में शिवशंकरप्पा ने कहा, मैंने देखा कि शिवमोग्गा जिले में विकास कार्य हो रहे हैं। आपने एक अच्छा सांसद चुना है। जनता को उन्हें आगे भी चुनना चाहिए।

दिल्ली में आप सरकार गिराने की साजिश कर रही बीजेपी : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने एक बार फिर अपने विधायकों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए सबूत होने का दावा भी किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि हमारे विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया, जल्द ही आप विधायकों को तोड़ने के सबूत जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब आप की ओर से ऐसे आरोप भाजपा पर लगाए गए हैं। सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा,पिछले दिनों इन्होंने हमारे दिल्ली के 7 विधायकों से संपर्क कर कहा है। कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लेंगे। उसके बाद विधायकों को तोड़ेंगे। 21 विधायकों से बात हो गयी है। औरों से भी बात कर रहे हैं, उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे।

एक बार फिर झूठ बोल रहे केजरीवाल : कपिल

बीजेपी ने आप के ऑपरेशन लोटस 2.0 के दावे को खारिज कर दिया है. बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने कहा, अरविंद केजरीवाल एक बार फिर झूठ बोल रहे हैं, जैसा कि वह पिछले सात बार से कर रहे हैं। एक बार भी यह नहीं बता पाए कि उनसे संपर्क करने के लिए किस फोन नंबर का इस्तेमाल किया गया था...? किसने उनसे संपर्क किया और बैठक कहां हुई? वह सिर्फ बयान देते हैं और चले जाते हैं। वह छिप रहे हैं, उनके साथी जेल में हैं और वह बार-बार ईडी के समन से बच रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि उनके पास ईडी के सवालों के जवाब नहीं है।

पूरे देश ने धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली। समूचे राष्ट्र ने अपना 75वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि हैं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों रहे। 26 जनवरी वह दिन है जब देश ने संविधान को अपनाया था। हर बार की तरह ही इस बार के समारोह के लिए खास तैयारियां की गई थीं। मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ। वहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पीएम नरेन्द्र मोदी समेत सरकार के मंत्रियों समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। देश के सभी राज्यों की राजधानियों में राज्यपालों ने झंडा फहराया और परेड की सलामी ली। सियासी दलों ने भी झंडा फहराया।

लखनऊ में दिखी परेड में राम मंदिर की झलक

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में ध्वजारोहण करके गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत की। इसके बाद सेना की टुकड़ी ने शानदार मार्च पास्ट करते हुए परेड का शुभारंभ किया। पीछे-पीछे टी 90 टैंक सर्वत्र ब्रिज होवित्जर गन जैसे कई मारक हथियार भी शहरवासियों को देखने को मिले। लखनऊ के अलावा प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भी गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया गया। प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा की झलक राम मंदिर के रूप में दिखी।

सपा ने यूपी में कांग्रेस को 11 सीटें देने पर जताई सहमति

» सपा प्रमुख ने ट्वीट कर दी जानकारी

» यूपी कांग्रेस इस बात पर असहमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि सपा व कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है। उन्होंने लिखा ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी। हालांकि ऐसी भी खबर आ रही है कि यूपी कांग्रेस इस बात पर सहमत नहीं है। बिहार में एक ओर जहां राजनीतिक हलचल जारी है तो वहीं उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर फाइनल डील हो चुकी है।

इस बात की जानकारी अखिलेश यादव ने ट्वीट कर दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में साफ तौर पर बताया कि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 11 सीटें दी है। उन्होंने कहा कि 11 सीटों के साथ यह अच्छी शुरुआत हुई है। यह इंडिया गठबंधन के लिए बड़ी राहत की बात है। इससे पहले अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पर छोटे दलों को साथ लेकर चलने की बड़ी जिम्मेदारी है। यादव ने समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित 'पीडीए' जन पंचायत पखवाड़े की शुरुआत कन्नौज के ग्राम फकीरे पुरवा से की।

आपको बता दे कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर लगातार बातचीत हो रही थी। हालांकि कहीं ना कहीं मामला अटक जा रही थी। लेकिन अखिलेश यादव लगातार इस बात पर जोर दे रहे थे कि हम राज्य में मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन में यह उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जहां सीटों को लेकर फाइनल बातचीत बन गई है। इसका मतलब साफ है कि अखिलेश यादव की पार्टी उत्तर प्रदेश में लगभग 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं 11 सीटों पर कांग्रेस जबकि बची हुई सीटों पर राष्ट्रीय लोक दल अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, राष्ट्रीय लोकदल को समाजवादी पार्टी की ओर से कितनी सीटें दी गई हैं। इस बात का खुलासा नहीं हो सका है लेकिन बताया जा रहा है कि 4 से 7 सीटे दी जा सकती है।

पत्रकार जुबैर सांप्रदायिक सद्भाव पुरस्कार-2024 से हुए सम्मानित

» ऑल्ट न्यूज़ के कोफाउंडर को तमिलनाडु सरकार ने पुरस्कार से नवाजा

» झूठी और फेक खबरों को एक्सपोज करते रहे जुबैर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने ऑल्ट न्यूज़ के को-फाउंडर मोहम्मद जुबैर को कोट्टई अमीर सांप्रदायिक सद्भाव पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार तमिलनाडु के किसी व्यक्ति को सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है।

जुबैर ने मार्च 2023 में तमिलनाडु में प्रवासी श्रमिकों पर हमले का फर्जी वीडियो एक्सपोज किया था। इसके अलावा भी वे तमाम झूठी और फेक खबरों को एक्सपोज कर सच्चाई सामने लाते रहते हैं। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के रहने वाले जुबैर का काम फेक न्यूज़ के कारण होने वाली हिंसक घटनाओं को रोकने में मददगार साबित होता है। जैसा तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों को लेकर देखने में मिला था। जुबैर को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रत्येक 26 जनवरी को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत 25,000 रूपये नकद, एक पदक और प्रमाण पत्र दिया जाता है।

जरांगे के आगे झुकी शिंदे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को अपना प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा की और कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने उनकी सभी मांगें मान ली हैं।

जरांगे ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सरकार ने मराठा समुदाय के उन सभी रिश्तेदारों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक अधिसूचना जारी की है, जिनके रिकॉर्ड (कुनबी जाति से जुड़े) पाए गए हैं। उन्होंने नवी मुंबई के वाशी में यह घोषणा की। वह शुक्रवार रात को वाशी पहुंचे थे और वह एवं उनके हजारों समर्थक रात भर वहीं रहे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जरांगे से मुलाकात करने वाले हैं। ऐसी संभावना है कि शिंदे और जरांगे वहां मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे।

कोहरा जारी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

» लखनऊ के आस-पास दृश्यता प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में गलन और कोहरे का प्रकोप जारी है। शनिवार की सुबह राज्य के ज्यादातर जिलों में कोहरे से दिन की शुरुआत हुई। शुक्रवार की रात से कोहरा पड़ना शुरू हो गया था। ठंडी हवाएं तापमान को और कम करती रहीं। शुक्रवार को कानपुर और सोनभद्र में सबसे पारा तीन डिग्री तक नीचे चला गया। यह यूपी में न्यूनतम रहा। इसके पहले शुक्रवार को भी मध्य यूपी के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे और गलन बनी रही।

लखनऊ और उसके आसपास के जिलों में दृश्यता 50 मीटर से 200 मीटर तक रही। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले दो दिनों तक ठंड परेशान करने वाली रहेगी। मंगलवार से मौसम में कुछ बदलाव होने की संभावना है। शुक्रवार को लखनऊ में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17 डिग्री सेल्सियस और 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। शनिवार को भी अधिकतम तापमान ऐसा ही रह सकता है। चरख धूप निकलने की संभावना अभी नहीं है।

29 तक कोल्ड डे जारी रहने के आसार

उत्तर पूर्व राजस्थान व आसपास के क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। पछुआ हवाएं चल रही हैं और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बनी हुई है। 27 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रि य होने के आसार हैं। 29 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने, घना कोहरा छाए रहने और कोल्ड डे कंडीशन बने रहने के आसार हैं। मुजफ्फरनगर, बागपत, आगरा, एटा, बिजनौर, अलीगढ़, फिरोजाबाद, मैनपुरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, सुल्तानपुर, अमेठी, गौतम बुद्ध नगर, जिले में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 । **Email:** daily4pm@gmail.com । **website:** www.4pm.co.in ।
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।